Tea Estate die on starvation, il so, the de-tails thereof;

(b) whether any enquiry has been ordered *in* the case;

(c) if so, what are the findings thereof and what action has since been taken thereon; and

(d) lf no inquiry has been ordered, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) Yes Sir.

(b) fo (d) According to the reports received from Government of Assam, 10 per-sods which include employees of Pathini Tea Estate and their dependents are reported to have died between 22-2-94 and 15-3-94 due to various diseases like TB, Anaemia, Bacillary Dysentry, Cardio Respiratory Failure, Stomach trouble etc. No deaths have taken place to starvaton of tha workers.

महाराष्ट्र और गुजरात में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन अनुसंधान केन्द्र

5038. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन महाराष्ट्र और गुजरात में कौन-कौन सी अनुसंधान परिषदें, अनुसंधान केन्द्र और अनुसंधान परियोजनाएं स्थापित की गई हैं तथा ये कहां-कहां स्थापित की गई हैं और उनके क्या-क्या उद्देश्य हैं;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन केन्द्रों और परियोजनाओं पर किए गए व्यय का अलग-अलग ब्यौरा क्या है; और

(ग) अनुसंधान कार्य का कृषि उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ा है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) महाराष्ट्र में चल रहे अनुसंधान संस्थान, केन्द्र और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाओं के नामों, स्थानों और उन पर किए गए खर्चें का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है। [देखिए परिशिष्ठ 170, अनुपत्र संख्या 97] इसके उद्देश्य संलग्न विवरण में दिए गए हैं। (नीचे देखिए)

(ग) अनुसंधान संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में हो रहे अनुसंधानों से खाद्यान्नों, तिलहनों, कपास और बागानी फसलों की अधिक उपज वाली किस्में विकसित करने में मदद मिली है। इनसे उत्पादन प्रौद्योगिकी का विकास हुआ है जिसके परिणाम-स्वरूप गेहूं, चावल, बाजरा, ज्वार, मक्का, तिलहन, कपास, आलू इत्यादि जैसी सभी महत्वपूर्ण फसलों की उपज और उत्पादन में वृद्धि कायम रही। इन किस्मों और विकसित एक मुश्त कृषि क्रियाओं के प्रभाव से राज्यों में कृषि फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने में मदद मिली है। राज्यों ने प्रतिकूल मौसम स्थितियों के साथ समायोजन के लिए भी उपाय ढूंढ

विवरण

संस्थानों और अखिल भारतीय समन्वित प्रायोजनाओं के उद्देश्य

1. संस्थान

(क) फसल पर आधारित :

फसल पर आधारित संस्थान जैसे---केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर तथा राष्ट्रीय मूंगफली अनुसंधान केन्द्र, जूनागढ़ के उद्देश्य इस प्रकार हैं :—

(1) नियत फसल पर मौलिक एवं नीतिगत अनुसंधान करना।

(2) फसल के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करना।

(3) सूचना बैंक के रूप में कार्य करना और

(4) परामर्श एवं विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करना।

(ख) बागवानी पर आधारित :

राष्ट्रीय नींबू अनुसंधान केन्द्र नागपुर के उद्देश्य हैं :—

(1) उष्णकटिबंधीय फलों जैसे—नींबू पर मौलिक एवं प्रयुक्त अनुसंधान करना।

(2) नींबू के लिए राष्ट्रीय रिस्पोजिटरी के रूप में काम करना ।

(3) संबंधित क्षेत्रों में वैज्ञानिक नेतृत्व उपलब्ध करना ।

(4) उत्पादन प्रौद्योगिकी विकसित करना और

(5) ज्ञानवर्धन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना ।

(ग) संसाधन प्रबन्ध पर आधारित :

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर, केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, बम्बई के उद्देश्य ये हैं :—

(1) मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन और कपास प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मौलिक एवं नीतिगत अनुसंधान करना।

(2) संबंधित क्षेत्रों में वैज्ञानिक नेतृत्व प्रदान करने के लिए निमित्त ज्ञान की रिपोसिटरी के रूप में कार्य करना ।

(3) नई तकनीकों और प्रौद्योगिकियों में कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना ।

(घ) मात्स्यकी पर आधारित :

केन्द्रीय मात्स्यकी शिक्षा संस्थान के उद्देश्य ये हैं :—

(1) मछली पर मूल व्यावहारिक एवं अनुकूल अनुसंधान करना ।

(2) उत्कृष्ट केन्द्र और स्नातकोत्तर शिक्षा ।

(3) मछली पर वर्गीकृत सूचना एकत्रित करना और राष्ट्रीय रिपोजिटरी के रूप में कार्य करना ।

(4) परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराना।

(5) ज्ञानवर्धन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना ।

2. अखिल भारतीय समन्वित प्रायोजनाएं

समन्वित प्रायोजनाओं के उद्देश्य ये हैं:—

(1) प्रौद्योगिकी का परीक्षण एवं मूल्यांकन करना और क्षेत्र की उपयुक्तता के लिए उनकी पहचान करना ।

(2) नियत फसलों और सूत्र प्रबन्ध में स्थान लेना और स्थिति विशिष्ट अनुसंधान करना ।

(3) क्षेत्र में उपयुक्तता के लिए खाद्यान्न, बागवानी और अन्य फसलों की किस्मों की पहचान करना ।

(4) अनुसंधान परिणाम और प्रौद्योगिकियों को राज्य विभागों तथा प्रयोक्ता एजेंसियों के पास स्थानान्तरित करना ताकि उन्हें अपनाया जा सके ।

Fall in the Agricnitural production of Kharif and Rabi seasons in Bihar

5039. SHRI S. S. AHLUWALIA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that agricultural production of Kharif and Rabi seasons has failed down in Bihar during the last three years;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what aaion Government propose td take to achieve the targets of agricultural production in Bihar ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) Agricultural production during Kharif season iq Bihar during the last three years has decreased because of unfavourable raifall and weather conditions. However, in rabi season, the agricultural production has not decreased during the same period.

(b) The production of foodgrains and oilseeds in kharif aud rabi seasons sepa-rately for the period 1990-91 to 1993-94